Appointments

The Hicksian Model — 2

हिक्स का मॉडल — 2

जब अर्थव्यवस्था P_1 पर पूर्ण रोजगार शिखर को स्पर्श करती है तो वह समय भी कुछ अवधि के लिए शिखर के साथ ~~चलती~~ रहती चलेगी और अवनति तुरंत नहीं प्रारम्भ हो जाएगी। अवपात (Downswing) के दौरान गुणक - त्वरक वेग उल्टा चलता है, घटता हुआ निवेश आय को घटाता है, घटी हुई आय निवेश को घटाती है और इसी प्रकार क्रम आगे बढ़ता चलता है। यदि त्वरक लगातार इसी प्रकार काम करता चले, तो उत्पादन निश्चय ही संतुलन स्तर EE के नीचे कहीं और गिर जाएगा और इसका कारण अपेक्षा से अधिक सीमा तक वही

क्रियात्मक प्रक्रियाएं होंगी जिनसे यह उससे ऊपर बढ़ी थी। इस अवस्था में उत्पादन में पतन चालू हो सकता है, प्रणाली कि गया है P_2 Q द्वारा, जैसा दिखाया में नकद तेजी परंतु से जितनी में वही करता है जितना की उसमें करता होगी। यदि उग्र शीघ्रता से तो प्रेरित निवेश मंद हो जाएगा और गिरकर शून्य मूल्य शून्य और नकद का निवेश में कमी कर जाएगा। को मितव्ययिता की दर को सीमित करती है। इस प्रकार अर्थव्यवस्था में निवेश की कुल मात्रा, स्वायत्त निवेश द्वारा मूल्य ह्रास की स्थिर दर के बराबर होती है। क्योंकि स्वायत्त निवेश हो रहा है, इसलिए उत्पादन में पतन बहुत धीमा होगा और तेजी की अपेक्षा मंदी बहुत लम्बी होगी जैसा कि Q_1 Q_2 द्वारा प्रकट किया गया है। Q_2 पर अवपात रेखा LL द्वारा प्रदान किये गए तल पर पहुंच जाता है। अंततः

Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su Mo Tu We Th Fr Sa Su
03 04 05 06 07 08 09 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27

जब सारी अतिरिक्त क्षमता समाप्त हो जाएगी, तो स्वतंत्र निवेश आरंभ हो जाएगा, जिससे आगे प्रेरित निवेश बढ़ेगा ताकि त्वरक चालू हो जाए जो गुणक के साथ अर्थव्यवस्था को फिर शिखर की ओर ले जाएगा। इसी तरीके से अर्थव्यवस्था में चक्रीय प्रक्रिया की आवृत्ति होती चलेगी।